

संस्करण

प्रतियां :

© CBSE

मूल्य :

प्रकाशक : **सचिव, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड**
2, सामुदायिक केन्द्र, शिक्षा केन्द्र, दिल्ली-110 092

अक्षर-संयोजन : **मल्टी ग्राफिक्स**, 5745/81, रैगरपुरा, करोल बाग, दिल्ली-05

मुद्रक :

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक 'सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य' बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता

प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में,

व्यक्ति की गरिमा और ² [राष्ट्र की एकता
और अखण्डता] सुनिश्चित करने वाली बंधुता

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977) से "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से), "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

51 क. मूल कर्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हों, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परीक्षण करे;
- (छ) प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;
- (ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई उंचाइयों को छू ले।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a¹ **SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the² [unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

-
1. Subs, by the Constitution (Forty-Second Amendment) Act. 1976, sec. 2, for "Sovereign Democratic Republic (w.e.f. 3.1.1977)
 2. Subs, by the Constitution (Forty-Second Amendment) Act. 1976, sec. 2, for "unity of the Nation (w.e.f. 3.1.1977)
-

THE CONSTITUTION OF INDIA

Chapter IV A

Fundamental Duties

ARTICLES 51A

Fundamental Duties - It shall be the duty of every citizen of India-

- (a) to abide the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;
- (b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;
- (c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;
- (d) to defend the country and render national service when called upon to do so;
- (e) To promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;
- (f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;
- (g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wild life and to have compassion for living creatures;
- (h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;
- (i) to safeguard public property and to abjure violence;
- (j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement.

पुरोवाक्

भाषाशिक्षणे श्रवणं, भाषणं, पठनं लेखनञ्च इति चतुर्णाम् कौशलानाम् महत्त्वम् अनुभूय विद्यालयेषु संस्कृतस्य शिक्षणार्थम् उपयुक्तपाठ्यक्रम-पाठ्यपुस्तक-अभ्यासपुस्तक-श्रव्यदृश्योपकरणानां च निर्माणे केन्द्रीयमाध्यमिकाशिक्षासंगठनस्य शैक्षणिकविभागः निरन्तरमेव प्रयत्नशीलः विद्यते। एतदुद्दिश्य एव संस्कृतशिक्षणे संप्रेषणोपागममधिकृत्य अनेन सङ्घठनेन माध्यमिक- उच्चमाध्यमिककक्षाभ्यः नवीनसंस्कृतपाठ्यक्रमस्य तदनुकूलञ्च पाठ्यपुस्तकानां विकासाय एका नवीना प्रायोजना प्रचालिता आसीत्। 'कणिका' इति इदं संस्कृतस्य पाठ्यपुस्तकम् अस्यां शृङ्खलायाम् षड्-कक्षायाः सुकोमलमतिबालानां कृते विकसितम्। बालाः परिचितपरिवेशे चित्रैः शब्दैः च स्वयम् एव पाठानां भावम् अवबोद्धुं समर्थाः भवेयुः इत्येव अस्ति अस्य पुस्तकस्य प्रमुखोद्देश्यम्। एतदर्थं आवश्यकम् अस्ति यत् कक्षायाः वातावरणम् संस्कृतमयं भवेत् येन बालाः स्वयमेव संस्कृतम् वक्तुं प्रेरिताः भविष्यन्ति एतादृशी अस्माकम् इच्छा अस्ति। अस्यां प्रायोजनायां यैः पाठ्यक्रमसमितिसदस्यैः अनवरतं परिश्रमः कृतः ते नूनं साधुवादानर्हन्ति। केन्द्रीयमाध्यमिकशिक्षाबोर्ड इति सङ्घठनस्य शैक्षणिकनिदेशकः श्री जी० बालसुब्रह्मण्यन् अस्यां प्रायोजनायां समये समये बहुमूल्यं योगदानम् कृतवान्। तेषां सततप्रयासेन एषा प्रायोजना सफलीजाता। सङ्घठनस्य उपशिक्षाधिकारी डा० साधना पाराशरः अपि पुस्तकस्य निर्माणे विशिष्टं योगदानं कृतवती। अन्यैरपि च अस्य पुस्तकस्य समीक्षणाय संशोधनाय मुद्रणाय च सहयोगः दत्तः तान् सर्वान् प्रति केन्द्रीयमाध्यमिकशिक्षासङ्घठनम् स्वकृतज्ञतां ज्ञापयति। शिक्षा-जगति किमपि मौलिकं लेखनं कार्यं वा अन्तिममिति कथयितुम् न शक्यते। सर्वत्र उपस्कारस्य अवकाशः विद्यते। अतः अस्य पुस्तकस्य संशोधनाय परामर्शाः अपेक्षिताः स्वागताहार्हाः च।

श्री अशोक गाङ्गुली

अध्यक्षः, केन्द्रीय-माध्यमिक-शिक्षा-बोर्डः

दिल्ली

कृतज्ञताज्ञापनम्

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड समिति

श्री अशोक गाङ्गुली, अध्यक्ष, के. मा. शि. बोर्ड, नई दिल्ली

श्री जी. बालसुब्रह्मण्यन्, निदेशक (शैक्षणिक), के. मा. शि. बोर्ड, नई दिल्ली

संस्कृत परामर्श समिति-सदस्य

प्रो. वाचस्पति

प्रो. कुटुम्ब शास्त्री

डॉ. नोदनाथ मिश्र

श्री चमूकृष्ण शास्त्री

श्री चाँद किरण सलूजा

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

श्रीमती डॉ. चन्द्रा रमणी

श्री एन्. पञ्चापगेशम्

श्री सु. पार्थसारथि

श्री पी. जी. सुब्रह्मण्यन्

श्री डॉ. पी. रङ्गराजन्

श्री के. एस्. शिरीष

सम्पादन समिति

श्री चाँद किरण सलूजा (संयोजक)

डॉ. नरेन्द्र

श्रीमती शशि प्रभा गोयल

श्रीमती संतोष कोहली

प्रायोजनाधिकारी

डॉ. साधना पाराशर, सह-शिक्षा अधिकारी, के. मा. शि. बोर्ड, नई दिल्ली

विषयसूची

	वन्दना	पृ. सं.
1.	मम विद्यालयः	2
2.	जन्तुशाला	12
3.	सुभाषितानि-1	20
4.	कोणार्कः	29
5.	बुद्धिमान् काकः	33
6.	कालिदासः	40
7.	क्रीडादिवसः	46
8.	सूर्याय नमः	53
9.	सुभाषितानि-2	60
10.	गणनकौशलम्	70
11.	वयम् स्वास्थ्यरक्षकाः	78
12.	पदानुशीलिनी	85